भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय

ई-समाचार पत्रिका

प्रति संख्या 1/2022 जुलाई-सितंबर 2022

वनस्पति संरक्षण सलाहकार की कलम से.....

वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय (DPPQS) की स्थापना वर्ष 1946 में वुड हेड कमीशन की सिफारिश पर की गई थी। 1943 में बंगाल में आये भीषण अकाल की जांच के लिए वर्ष 1944 में ब्रिटिश भारत सरकार द्वारा वुड हेड कमीशन नियुक्त किया गया था। निदेशालय एक शीर्ष संगठन के रूप में वनस्पति संरक्षण से संबंधित सभी विषयों पर संघ और राज्य सरकारों को सलाह देने का कार्य करता है।

विशिष्ट उद्देश्यों की पूर्ति एवं प्रभावी कार्यान्वयन के लिए निदेशालय विभिन्न प्रभागों के माध्यम से एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन, पौध संगरोध, कीटनाशकों के पंजीकरण एवं गुणवत्ता नियंत्रण, टिड्डी नियंत्रण और अनुसंधान आदि महत्वपूर्ण काम कर रहा है।

निदेशालय के द्वारा फसल एवं नाशीजीव विशिष्ट कृषि पारिस्थितिकी तंत्र विश्लेषण पर आधारित एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन पैकेज और पादप-स्वच्छता उपायों से सम्बंधित राष्ट्रीय मानक, मानक संचालन प्रक्रियाएं विकसित की गयी हैं। तैयार की गई सभी राष्ट्रीय मानक एवं संचालन प्रक्रियाएं निदेशालय के वेबसाईट पर हितधारकों के लिए उपलब्ध हैं। वर्ष 2022 के दौरान, विभिन्न खरीफ फसलों में हुए नाशीजीव के व्यापक आक्रमण जैसे- कपास में सफेद मक्खी, थ्रिप्स, जैसिड एवं गुलाबी सुंडी संक्रमण, चावल की वायरस जनित बौनापन बीमारी और केले में ककड़ी मोज़ेक वायरस के सफल प्रबंधन के लिए निदेशालय द्वारा पूरी तत्परता के साथ विभिन्न राज्य के कृषि विभागों को सहयोग प्रदान किया गया।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निदेशालय द्वारा करनाल बंट नाशीजीव मुक्त क्षेत्र की स्थापना पर एक कार्यशाला का आयोजन भोपाल में राज्य कृषि विपणन बोर्ड, मध्य प्रदेश सरकार के समन्वय से किया गया। आयातित कृषि उत्पादों में निरीक्षण कर संगरोध नाशीजीवों को पहचानकर उसके प्रवेश को रोककर भारत की जैव विविधता की रक्षा के लिए निदेशालय के सभी संगरोध केंद्र पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहे हैं।

इसके अलावा निदेशालय कीटनाशकों और जैव-कीटनाशकों के गुणवत्ता नियंत्रण में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। केंद्रीय/ राज्य कीटनाशक निरीक्षकों द्वारा कीटनाशकों के नमूने लिए जा रहे हैं और लिए गए नमूनों का क्षेत्रीय नाशीजीवनाशक परीक्षण प्रयोगशालाओं (RPTL) और केंद्रीय कीटनाशक प्रयोगशाला में परीक्षण किया जा रहा है। "क्रॉप" पोर्टल के माध्यम से किसान के लिए प्रभावी और सुरक्षित कीटनाशक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कीटनाशकों का पंजीकरण और ऑनलाइन "पी.क्यू.एम.एस" पोर्टल के माध्यम से विश्वसनीय निर्यात पौध स्वच्छता निरीक्षण और प्रमाणीकरण निदेशालय की अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियाँ हैं।

डॉ. जे. पी. सिंह
वनस्पति संरक्षण सलाहकार

सूची

- प्रमुख कार्यक्रम
- अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता
- द्विपक्षीय मुद्दों पर विदेश यात्राएं
- प्रशिक्षण और कार्यशालाएं
- नई पहल
- प्रकाशन
- मीडिया कवरेज

प्रमुख कार्यक्रम

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन (सी.आई.पी.एम.सी. के प्रयास):

- इस अवधि के दौरान 2.86 लाख हेक्टेयर फसल क्षेत्र का सर्वेक्षण किया गया और महत्वपूर्ण नाशीजीवों के प्रबंधन के लिए 14 परामर्श जारी किए गए।
- कुल 126 किसान खेत पाठशाला का आयोजन किया गया जिसमे 3780 किसानों और 630 राज्य कृषि विभाग कर्मचारीयों को आईपीएम पर प्रशिक्षण दिया गया।
- नाशीजीव प्रबंधन के लिए 0.48 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में 830.75 मिलियन मित्र जीव छोड़े गए।
- 2.14 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में मित्र जीवों का सफलतापूर्वक संरक्षण किया गया।
- कुल 13 "दो दिवसीय मानव संसाधन विकास कार्यक्रम" आयोजित किए गए जहां 686 कृषि विस्तार अधिकारी, गैर सरकारी संस्था, अग्रणी किसान, निजी उद्यमी को आईपीएम उपायों पर प्रशिक्षित किया गया।

वनस्पति संगरोध (व. सं. केन्द्रों द्वारा किए गए प्रयास):

- कृषि उत्पादों के निर्यात को सुगम बनाने में सहयोग करते हुए 103.80 लाख मीट्रिक टन कृषि उत्पादों के निर्यात लिए कुल 1,21,793 पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र जारी किये गए।
- 36.50 लाख मीट्रिक टन आयातित कृषि उत्पादों का निरिक्षण उपरांत कुल 29,083 आयात निगमन आदेश जारी किये गए।
- प्रभावी पादप संगरोध निरीक्षण प्रणाली के माध्यम से आयातित कृषि उत्पादों में 375 संगरोध नाशीजीवों का पता लगाया गया और भारतीय भू-भाग में इन संगरोध नाशीजीवों के प्रवेश को रोकने में सफल हुए।
- ऑस्ट्रेलिया और उज्बेकिस्तान से पादप स्वच्छता के मुद्दों पर सफलतापूर्वक बातचीत कर भारत से अनार के दानों के निर्यात के लिए नया बाजार प्राप्त किया।

टिड्डी चेतावनी संगठन (एल.डब्ल्यू.ओ./एल.सी.ओ./एफ.एस.आई.एल. द्वारा किए गए प्रयास):

- रेगिस्तानी टिड्डी सर्वेक्षण 53.342 लाख हेक्टेयर में किया गया एवं इस अवधि में भारत-पाक सीमा पर 03 बैठकों में भाग लिया गया।
- तिमाही के दौरान भारत और पड़ोसी देशों में टिड्डियों की मौजूदा स्थिति पर प्रकाश डालते हुए 06 टिड्डी सूचना बुलेटिन प्रकाशित और प्रसारित किए गए।

केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड एवं पंजीकरण समिति:

- पंजीकरण समिति के द्वारा कुल 11,002 नाशीजीवनाशकों के लिए पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया गया।
- तीन नए रसायनिक अणु फ्लूमेथिसल्फोरिन, प्रोफ्लुथ्रिन और क्विनोक्सीफेन को कीटनाशक अधिनियम, 1968 की अनुसूची में जोड़े गए।

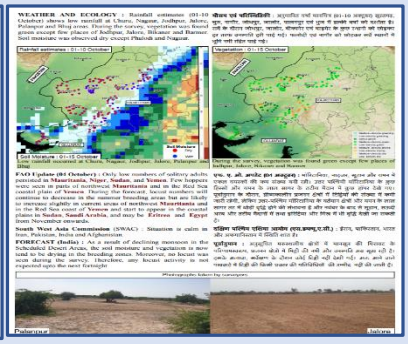

केंद्रीय कीटनाशक प्रयोगशाला, क्षेत्रीय नाशीजीव जांच प्रयोगशाला और तकनीकी विधायी अनुभाग:

- आर.पी.टी.एल. के द्वारा कुल 546 नाशीजीवनाशी नमूनों का परीक्षण किया गया इनमें से 36 को निम्न मानक (misbranded) घोषित किया गया।
- सी.आई.एल. ने 471 नाशीजीवनाशी नमूनों का परीक्षण किया, जिनमें से 109 निम्न मानक (misbranded) के पाए गए।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग से आये आई.ए.एस. इंटर्न द्वारा सी.आई.एल. की गतिविधियों का निरिक्षण

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सतर्कता दल द्वारा जैव-आकलन (Bio-assay) प्रभाग का निरीक्षण

अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता

IPPC-APPPC क्षेत्रीय कार्यशाला का इंचियोन, कोरिया गणराज्य में आयोजन:

डॉ. जे.पी. सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार ने 29 अगस्त से 02 सितंबर 2022 तक अंतर्राष्ट्रीय वनस्पति संरक्षण सम्मलेन (IPPC) द्वारा इंचियोन, कोरिया गणराज्य में आयोजित एशिया पैसिफिक प्लांट प्रोटेक्शन कमीशन (APPPC) के क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया। इस वर्ष कार्यशाला हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई थी। जिसमे एशिया और प्रशांत क्षेत्र के कुल 13 देशों से 27 प्रतिभागियों ने प्रत्यक्ष रूप से और 11 प्रतिभागियों ने आनलाइन भाग लिया।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने छह मसौदा मानकों पर चर्चा की जिसमें विशेष रूप से आई.एस.पी.एम. 4 का संशोधन (कीट मुक्त क्षेत्रों की स्थापना के लिए आवश्यकताएं), आई.एस.पी.एम. 18 का संशोधन (पादप स्वच्छता उपाय के रूप में विकिरण के उपयोग के लिए दिशानिर्देश), और उपलब्ध जानकारी के आधार पर फल मक्खियों के परपोषी फलों का निर्धारण करने के लिए आई.एस.पी.एम. 37 (फल मक्खियों के परपोषी फलों का निर्धारण) के मानदंडों का आकलन शामिल है। मानक समिति के प्रतिनिधियों ने प्रारूप मानकों के प्रमुख बिंदु पर चर्चा की और सहभागी सदस्यों ने ऑनलाइन टिप्पणी प्रणाली के माध्यम से प्रारूप मानक पर अपना मंतव्य रखें। विस्तृत चर्चा उपरांत सभी प्रतिभागी क्षेत्रीय टिप्पणियों को आई.पी.पी.सी. सचिवालय को प्रेषित किये जाने के लिए सहमत हुए।

आई.पी.पी.सी. द्वारा संशोधित किए जाने के लिए प्रस्तावित छह मसौदा मानकों पर विस्तृत चर्चा के बाद ए.पी.पी.पी.सी. ने अपनी टिप्पणियों को अंतिम रूप दिया। ए.पी.पी.पी.सी. की चर्चा के दौरान डॉ. जे.पी. सिंह ने उपरोक्त प्रस्तावित संशोधन के लिए भारत की तरफ से इनपुट प्रस्तुत किये।

एशिया पैसिफिक सीड्स एसोसिएशन (APSA) का 8वां फाइटोसैनिटरी विशेषज्ञ परामर्श:

डॉ. जी.के. बुनकर, उप निदेशक (की.वि.) और श्री ज्ञानेश्वर बंछोर, उप निदेशक (की.वि.) ने 29-30 अगस्त, 2022 तक बैंकाक, थाईलैंड में आयोजित एशिया पैसिफिक सीड्स एसोसिएशन (एपीएसए) के 8वें फाइटोसैनेटिक विशेषज्ञ परामर्श सम्मेलन में भाग लिया।

भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति का 5वां सत्र:

काहिरा, मिस्र में 25 से 27 जुलाई, 2022 के बीच आयोजित भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जे.टी.सी.) के 5 वें सत्र में डॉ संजय आर्य, संयुक्त निदेशक (रोग विज्ञान) शामिल हुए।

स्थायी जैविक प्रदूषकों की समीक्षा समिति (पी.ओ.पी.आर.सी.) की 18वीं सभा:

श्री अवनीश तोमर, उप निदेशक (रसायन विज्ञान) ने 19 से 23 सितंबर, 2022 तक रोम, इटली में आयोजित स्थायी जैविक प्रदूषक समीक्षा समिति (पी.ओ.पी.आर.सी.) की 18वीं सभा में पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया।

स्थायी जैविक प्रदूषकों की समीक्षा समिति (पी.ओ.पी.आर.सी.) की 18वीं सभा:

डॉ. अर्चना सिन्हा, संयुक्त निदेशक (रसायन विज्ञान) ने 26 से 30 सितंबर, 2022 तक रोम, इटली में आयोजित स्थायी जैविक प्रदूषक समीक्षा समिति (पी.ओ.पी.आर.सी.) की 18वीं सभा में पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया।

आम की फल मक्खी से सावधान रहें

फल के सतह पर काले छिद्र अथवा चिपचिपा रिसाव...क्यों?

कोइ चिंता नहीं!! यह फल मक्खी का संक्रमण हो सकता है।

फल मक्खियों की वयस्क मादा विकसित फलों के अन्दर अंडे देती हैं।

हैचिंग के बाद अंडे से निकले लार्वा (मैगट) फल के गूदे को खाना शुरू कर देते हैं जिससे फलों में सड़न पैदा हो जाती हैं ।

लार्वा के आंतरिक भक्षण और पाचन के कारण प्रभावित फलों पर चिपचिपा स्राव नजर आता है, बाद में प्रभावित फलों की सतह पर लार्वा के निकास छिद्र दिखाई देने लगते हैं।

द्विपक्षीय मुद्दों पर विदेश यात्राएं

ताजा एवोकैडो फलों का आयात के लिए डॉ. एस.के. वर्मा, संयु. नि. (की.वि.), डॉ. कन्हैया लाल गुर्जर, संयु. नि. (व.रो.वि.), और डॉ. एम. एम. खान, सहा. नि. (व.रो.वि.) ने 12 से 16 सितंबर, 2022 के बीच दक्षिण अफ्रीका के एवोकैडो बागानों एवं प्रसंस्करण सुविधाओं का निरीक्षण किया।

ब्लूबेरी के आयात के लिए पोलैंड स्थित ब्लूबेरी के बागानों के सत्यापन के उदेश्य से डॉ. आलमगीर सिद्दीकी, संयु. नि. (की.वि.), डॉ. सुनीता पांडे, उप. नि. (की.वि.), और डॉ. शिवाजी हरिदास वावरे, उप. नि. (व.रो.वि.) ने 13 से 16 सितंबर, 2022 के बीच पोलैंड का दौरा किया।

ब्लूबेरी और शिमला मिर्च (bell peppers) के आयात के लिए बेल्जियम के बागानों का निरीक्षण उदेश्य से डॉ. सुभाष कुमार, संयु. नि. (ख.वि.), डॉ. शालू आयरी, उप. नि. (की.वि.), और डॉ. मोहन एस.एम., सहा. नि. (व.रो.वि.) ने 19 से 21 सितंबर, 2022 के बीच बेल्जियम का दौरा किया।

भारत में दालों के आयात के लिए कनाडा के कीट प्रबंधन प्रणाली का निरीक्षण करने के लिए डॉ. रंजीत सिंह, निदेशक (व. सं), डॉ. एस. ज्ञानसंबंदन, संयु. नि. (ख.वि.) और डॉ. ब्रजेश मिश्रा, उप. नि. (की.वि.) ने 19 से 23 सितंबर, 2022 के बीच कनाडा का दौरा किया।

नई पहल

- मानव संसाधन विकास के उद्देश्य से निदेशालय में एक नए प्रभाग "क्षमता सुदृढीकरण इकाई" का गठन किया गया।
- साथ ही अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक/ पादप स्वच्छता से जुड़े मुद्दों की देखभाल के लिए "आई.पी.पी.सी.-कोडेक्स इकाई" का गठन किया गया।

नई नियुक्तियां:

जुलाई से सितंबर, 2022 की तिमाही के दौरान निदेशालय में कुल 25 नये सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी एवं वैज्ञानिक सहायकों ने नियुक्ति हुई।

कृषि क्षेत्र की सुविधा के लिए "CROP" (क्रॉप) एवं "PQMS" (पी.क्यू.एम.एस.) पोर्टल का शुभारंभ

सरकारी तंत्र को सरल एवं पारदर्शी बनाने तथा व्यापार में सुगमता के उदेश्य से माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा दिनांक 18.04.2022 को दो नए पोर्टल की शुरुआत की गई ।

- ✓ माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा दिनांक 18.04.2022 को पूसा कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपरोक्त दोनों पोर्टल की शुरुआत की गई। जिनमे से एक क्रॉप (CROP) पोर्टल कीटनाशकों के पंजीकरण के लिए तथा दूसरा "पौध संगरोध प्रबंधन प्रणाली"(पी.क्यू.एम.एस.) पोर्टल कृषि उत्पादों के निर्यात और आयात की प्रक्रिया के सुगमता एवं रिकॉर्ड प्रबन्धन के लिए विकसित किया गया है।
- ✓ उपरोक्त पोर्टल के उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते हुए, माननीय मंत्री ने कहा कि दो नए पोर्टल कीटनाशकों के पंजीकरण की प्रक्रिया एवं कृषि उत्पादों के निर्यात एवं आयात प्रमाणन कार्य को सुगम एवं निष्पक्ष बनाने के साथ ही साथ पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता लायेंगे । इस दिशा में निरंतर सुधार के लिए सरकार आवश्यक कदम उठाएगी।

कृषि क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग के लिए माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा "मानक संचालन प्रक्रिया" (एस.ओ.पी.) का लोकार्पण

- ➢ माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 21 दिसंबर 2021 को कृषि क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एस.ओ.पी.) को आधिकारिक रूप से जारी किया, जिसमें कीटनाशकों के साथ-साथ पोषक तत्वों का छिड़काव भी शामिल है।
- ➢ माननीय मंत्री ने कहा कि सरकार कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों के उपयोग को शामिल करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है ताकि कृषि क्षेत्र की उत्पादकता और दक्षता बढ़ाने के संदर्भ में स्थायी समाधान प्रदान किया जा सके।

"ड्रोन से कीटनाशकों का इस्तेमाल किये जाने लिए एस.ओ.पी. में ड्रोन नियमन के वैधानिक प्रावधान, उड़ान अनुमति, क्षेत्र दूरी प्रतिबंध, वजन वर्गीकरण, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों पर प्रतिबंध, ड्रोन पंजीकरण, सुरक्षा बीमा, पायलटिंग प्रमाणन, संचालन योजना, हवाई उड़ान क्षेत्र, मौसम की स्थिति जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं। साथ ही इस एस.ओ.पी. में ड्रोन ऑपरेशन के दौरान संभावित आपातकालीन प्रबंधन के लिए भी दिशा निर्देश दिए गए हैं"।

आई.पी.एम. पर दो दिवसीय "क्षमता सुदृढीकरण प्रशिक्षण" कार्यक्रम:

आर.सी.आई.पी.एम.सी., नागपुर में हाइब्रिड मोड में आई.पी.एम. पर दो दिवसीय "क्षमता सुदृढीकरण प्रशिक्षण" कार्यक्रम दिनांक: 26.08.2022 से 27.08.2022 तक आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में नागपुर क्षेत्र के तकनीकी अधिकारी प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए एवं अन्य क्षेत्र के अधिकारियों ने आनलाइन भाग लिया।

आई.पी.एम. पर दो दिवसीय "क्षमता सुदृढीकरण प्रशिक्षण" कार्यक्रम:

सी.आई.पी.एम.सी., एर्नाकुलमन में 16 और 17 सितंबर 2022 को आई.पी.एम. पर दो दिवसीय क्षमता सुदृढीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया, जिसमें बेंगलुरु क्षेत्र के 30 तकनीकी अधिकारियों ने प्रत्यक्ष रूप से और अन्य क्षेत्रों से 54 तकनीकी अधिकारी आनलाइन रूप से शामिल हुए।

कृषि उत्पादों के निर्यात संवर्धन हेतु नाशीजीव मुक्त क्षेत्र की स्थापना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला:

कृषि उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन हेतु "नाशीजीव मुक्त क्षेत्र" की स्थापना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांकः28 सितंबर, 2022 को अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, सुशासन भवन, भोपाल, म.प्र. में किया गया।

ए.एफ.ए.एस. इंडिया ट्रेनिंग

पांच दिवसीय AFAS प्रशिक्षण का आयोजन निदेशालय द्वारा क्षेत्रीय पौध संगरोध केंद्र, चेन्नई, नई दिल्ली और मुंबई में किया गया । जिसमें निदेशालय के 41 अधिकारी और 32 पेस्ट कंट्रोल आपरेटर ने AFAS इंडिया कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण उपरांत प्रधूमन करने की अहर्ता प्राप्त की।

दो दिवसीय आई.पी.एम. प्रशिक्षण कार्यक्रम:

यह कार्यक्रम सी.आई.पी.एम.सी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा 19 और 20 सितंबर 2022 को आयोजित किया गया था, जिसमें राज्य सरकार के कर्मचारी, कीटनाशक डीलर और किसान सहित कुल 78 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कृषि निर्यात विषय पर विदर्भ में आउटरीच कार्यक्रम:

माननीय सड़क एवं परिवहन मंत्री श्री. नितिन गडकरी की अध्यक्षता में "विदर्भ में कृषि फसलों, फलों और सब्जियों के निर्यात सम्भावना" विषय पर आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 17.07.2022 को एपीडा और एग्रोविजन फाउंडेशन, नागपुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 650 से अधिक किसान/ एफ.पी.ओ./ हितधारक उपस्थित थे। इस परिचर्चा में शामिल हो आर.सी.आई.पी.एम.सी., नागपुर ने महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र से ताजे फल और सब्जियों की निर्यात क्षमता पर प्रस्तुति दी।

नाशीजीवनाशकों के सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग एवं जैव नियंत्रण एजेंटों के बड़े पैमाने पर उत्पादन विषय पर कीटनाशक डीलरों के लिए कार्यशाला:

आर.सी.आई.पी.एम.सी., नागपुर द्वारा रामेती (RAMETI)-- महाराष्ट्र राज्य कृषि विभाग, नागपुर के सहयोग से दिनांक 21.09.2022 को उपरोक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें नागपुर क्षेत्र के 40 कीटनाशक डीलरों ने भाग लिया।

नाशीजीवनाशकों के सुरक्षित और विवेकपूर्ण उपयोग विषय पर राज्य कृषि अधिकारी के लिए कार्यशाला:

यह कार्यक्रम आरसीआईपीएमसी नागपुर द्वारा रामेती (RAMETI)-- महाराष्ट्र राज्य कृषि विभाग, नागपुर के सहयोग से दिनांकः 04.08.2022 से 05.08.2022 तक आयोजित किया गया था । जिसमें महाराष्ट्र राज्य के कुल 30 कृषि अधिकारी शामिल हुए।

प्रकाशन

- ✓ Published a paper in Insect Environment on "Association of the elusive Fulgorid bug, *Pyrops delesserti* Guerin-meneville, 1840 (Hemiptera: Fulgoromorpha: Fulgoridae) with Pithraj Tree *Aphanamixis polystachya* (Meliaceae): an observation from Kerala" by Gavas Ragesh, Tom Cherian, Milu Mathew and D.K Nagaraju Vol 25 (2) June (2022.)
- ✓ Ranjith, M., D. K. Nagaraju, R. R. Rachana, R. S. Ramya, Om Prakash Verma and Ravi Prakash. 2022. New host record of *Thrips parvispinus* (Karny) (Thysanoptera: Thripidae) in India. Pest Management in Horticultural Ecosystems, 28(1): 33-37.
- ✓ GavasRagesh, Tom Cherian, Nagaraju, D. K., Milu Mathew and Pushpalatha, P. B. 2022. Some details on the biology of leaf beetle SastroidesBesucheti Medvedev occurring on wild nutmeg. Indian Journal of Entomology, online published Ref. No. e21185, DoI.: 10.5958/0974-8172.2021.00111.
- ✓ Gavas Ragesh, Tom Cherian, Milu Mathew and D.K. Nagaraju. 2022. Association of the elusive Fulgorid bug, *Pyrops delesserti* Guérin-Méneville, 1840 (Hemiptera: Fulgoromorpha: Fulgoridae) with pithraj tree *Aphanamixis polystachya* (Meliaceae): an observation from Kerala, Insect Environment, 25 (2): 184-188. DOI: 10.55278/GIRU6255.

मीडिया कवरेज

डॉ. जे.पी. सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार के साथ निम्नलिखित विषयों पर गई परिचर्चा का प्रसारण डीडी किसान चैनल पर हुआ :

1.भारत में नाशीजीवनाशकों के गुणवत्ता नियंत्रण के लिए नाशीजीवनाशक परीक्षण प्रयोगशालाएँ।

2.नाशीजीवनाशक पंजीकरण प्रक्रियाएं: भारत में नियामक प्रणाली।

श्री ओ.पी. वर्मा, संयुक्त निदेशक (व.रो.वि.) ने डीडी किसान चैनल में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की:

1.सीआईपीएमसी/आईपीएम का परिचय।

2.किसान खेत पाठशाला (एफएफएस) का परिचय।

3.आईपीएम के अंतर्गत तकनीकें (व्यावहारिक/ यांत्रिक)।

डॉ सुनीता पांडे, उप निदेशक (की.वि.) के साथ निम्नलिखित विषयों हुई परिचर्चा का प्रसारण डीडी किसान चैनल किया गया :

1.जैव-नियंत्रण एजेंटों का परिचय।

2.आईपीएम के तहत मानव संसाधन विकास कार्यक्रम पर चर्चा।

आजादी के 75 साल - अमृत- महोत्सव का आयोजन

- आजादी का अमृत महोत्सव की शुरुआत 'हर घर तिरंगा' अभियान के आयोजन साथ किया गया और 13-15 अगस्त 2022 के दौरान प्रत्येक अधिकारी/कर्मचारी को राष्ट्रीय ध्वज वितरित किया गया।
- 15 अगस्त 2022 को निदेशालय परिसर में डॉ. जे.पी सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।
- इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की चेतना जगाने के लिए पौधारोपण अभियान चलाया गया।

आईपीएम तकनीक की सफलता: पंजाब, उत्तराखंड और हरियाणा में चावल की बौनापन बीमारी के प्रसार का नियंत्रण-

निदेशालय ने आईसीएआर एवं राज्य कृषि विभागों के साथ मिलकर एसआरबीएसडीवी रोग प्रभावित क्षेत्रो में धान के खेतों का व्यापक सर्वेक्षण किया और एसआरबीएसडीवी रोग पर किसानों के बीच जागरूकता पैदा करने के साथ ही रोग के आगे प्रसार को रोकने के लिए आवश्यक जानकारी किसानों को दी गई। समय पर निदान एवं रोग प्रबंधन के लिए सलाह जारी करने से रोग के आगे प्रसार को सफलापूर्वक रोका जा सका।

प्रकाशित:

वनस्पति संरक्षण सलाहकार
वनस्पति संरक्षण संगरोध एवं संग्रह निदेशालय,
सीजीओ कॉम्प्लेक्स, एनएच-IV, फरीदाबाद, हरियाणा -121001
0129-2413985, ईमेल:-ppa@nic.in

डिज़ाइन एवं संकलनकर्ता:

डॉ. डी.के. नागराजू, उप निदेशक (की.वि.), श्री ज्ञानेश्वर बंछोर, उप निदेशक (की.वि.), श्री बी बी कुमार, व.सं.अधि. (ख.वि.), श्री विशाल एल गटे, व.सं.अधि. (व.रो.वि.), डॉ. संतोष पी. पटोले, व.सं.अधि. (व.रो.वि.) सुश्री भावना आर. सिंह, सहा.व.सं.अधि. (की.वि.), और श्री रोहित एम, सहा.व.सं.अधि. (व.रो.वि.)